



लगभग एक दशक तक ब्रिटिश म्यूजियम के अधिकारी, ग्रीस को एलिन मार्बल्स लौटाने के बारे में बात तक नहीं करते थे, लेकिन अब ग्रीक हैरिटेज अधिकारियों के साथ इस बारे में बात करने को राजी हो गए हैं। संभावना है कि, अब शायद ये कलाकृतियाँ ग्रीस को लौटा दी जाएँ। एलिन मार्बल्स या पार्थेनॉन मार्बल्स, मूर्तियों और फ्रीज (चित्र वल्लरी) का एक संग्रह है, जो मूलतः ईसापूर्व 5 वीं सदी में ग्रीस के अथीनियन एकोपोलिस पर पार्थेनॉन टैम्पल में था। देवी एथीना का यह मंदिर यूनानी कला का उत्कृष्ट नमूना माना जाता है। एलिन मार्बल्स को न केवल लोकतंत्र का, बल्कि पश्चिमी सभ्यता के जन्म का प्रतीक भी माना जाता है। उसीसर्वीं सदी के आरंभ में ब्रिटिश अभिजात्य वर्ग के टॉमस ब्रूस, एलिन के सातवें अर्ल, एक सैनिक, राजनीतिज्ञ, व तुर्की के ऑटोमन साम्राज्य में ब्रिटेन के राजदूत भी थे, जिसका उस समय यूनान पर राज था। इतिहासिक दस्तावेजों के अनुसार टॉमस ब्रूस ने एथेन्स के पार्थेनॉन मंदिर से विवादास्पद रूप से ये प्राचीन मार्बल मूर्तियाँ हथिया ली थीं। उस समय लॉर्ड बायरन ने इस कदम को "कल्चरल वैडलिज्म" (सांस्कृतिक गुंडागर्दी) की संज्ञा दी थी। हालांकि 1810 में ब्रिटिश संसदीय कमेटी ने एलिन का समर्थन किया और फिर ब्रिटिश सरकार ने 1816 में 35,000 पाउण्ड देकर एलिन मार्बल्स खरीद लिए, तब से ये ब्रिटिश म्यूजियम में प्रदर्शित हैं। अब संभवतया ये एथेन्स को लौटाए जा सकते हैं।

पाकिस्तान के प्र.मंत्री शहबाज़ शरीफ के आगे कुआं और पीछे खाई है

उनके लिये आई.एम.एफ. से ऋण लेना नितान्त आवश्यक है, नहीं तो देश की "इकॉनमी" व व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो जाएगी

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 4 फरवरी। पाकिस्तान में अब जीवन दुःख और आर्थिक उदासी भर है। अधिकांश आबादी हाल ही आयी बाढ़ से उत्पन्न परेशानियों में कैसे भी मदद पाना चाह रही है, लेकिन देश की अर्थव्यवस्था में उथल-पुथल है और वित्तीय मदद मिलना भी मुश्किल है। पाकिस्तान की सरकार के लिए यह समय खासतौर पर तब जब चुनाव नजदीक आ रहे हैं, जनता पद और भार डालने का नहीं है, क्योंकि जनता की तो पहले ही कमर टूट चुकी है, लेकिन प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ को इन्टरनेशनल मॉनिटरी फण्ड (आई.एम.एफ.) से वित्तीय सहायता प्राप्त करने के लिए ऐसा ही कुछ करना पड़ेगा।

शरीफ पकड़ो या छोड़ो जैसी स्थिति वाले एक दौरा पर खड़े हैं। आई.एम.एफ. इस गरीब देश को उसकी बुरी आर्थिक स्थिति से निकालने के लिए "बेल आउट" करने का इच्छुक है, लेकिन कड़वी सच्चाई यह है कि उसकी शर्तें कठोर हैं। आई.एम.एफ. ने इस बात पर जोर दिया है कि पाकिस्तान को टैक्स

वृद्धि करनी होगी और जनता को दी जा रही सब्सिडीज को खत्म करना होगा, ताकि उसकी आर्थिक स्थिति मजबूत बन सके, अन्यथा उसे बेल आउट पैकेज अक्टूबर माह में आम चुनावों का सामना करना है और आई.एम.एफ. की शर्तें स्वीकार करने का उनके लिए मालव्य होगा अपने देश की जनता से पूर्णतया शर्तों को मानने का प्रयास कर रही है, इसलिए उन्होंने अपने देशवासियों को चेतावनी दे दी है कि वे अब आगे और कठिन समय के लिए स्वयं को तैयार रखें। ए.एफ.सी. की एक रिपोर्ट के अनुसार शरीफ ने शुक्रवार को कहा कि आई.एम.एफ. ने पाकिस्तान के समक्ष "बेल आउट" की जो शर्तें रखी हैं वे कल्पना से परे हैं। शहबाज़ शरीफ ने मीडिया को बताया कि "मैं इसकी डिटेल्स में नहीं जाऊंगा, लेकिन इतना ही कहूंगा कि हमारी आर्थिक चुनौती अकल्पनीय है। आई.एम.एफ. के साथ हमें जिन शर्तों पर सहमत होना है, वे कल्पना से परे हैं।" आई.एम.एफ. का एक प्रतिनिधि मण्डल गत मंगलवार को इस्लामाबाद आया और उसने अति महत्वपूर्ण बेल आउट पैकेज पर पुनः बातचीत के एक अंतिम प्रयास के रूप में पाकिस्तान सरकार के अधिकारियों से वार्ता कर देश के फायनेंशियल सिस्टम की समीक्षा की। यह पैकेज पिछले कई महीनों से अटका पड़ा है। चूंकि पाकिस्तान में आगामी अक्टूबर माह में आम चुनाव हैं, इसलिए प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ के नेतृत्व

अपनी सम्पत्ति भी आधी ही बची है क्योंकि उन्होंने 61 अरब डॉलर गंवा दिए हैं। हिंडनबर्ग रिसर्च के बाद निवेशकों ने अपना समर्थन वापस ले लिया है। इस अमेरिकन रिसर्च कंपनी ने उन्होंने कॉरपोरेट इतिहास की सबसे बड़ी धोखाधड़ी का साजिश रचने वाला बताया। अडानी समूह ने इस रिपोर्ट की निंदा की और इसे निराधार और साजिश (शेय पृष्ठ 5 पर)

एक झटके में ही गौतम अडानी ने आधी सम्पत्ति गंवाई

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 4 फरवरी। अभी दो सप्ताह भी नहीं हुए जब भारत के अरबपति गौतम अडानी विश्व के चौथे नम्बर के सबसे अमीर थे, उनकी अपनी सम्पत्ति 120 अरब डॉलर थी। यह उद्योगपति बिल गेट्स और वॉरेन बफेट से भी ज्यादा अमीर था। उसकी सम्पत्तियों की कीमत 110 अरब डॉलर तक घट गई है और उनकी

■ अभी दो सप्ताह पहले तक भारत के अरबपति गौतम अडानी, बिल गेट्स और वॉरेन बफेट से भी ज्यादा अमीर माने जाते थे और विश्व के चौथे नम्बर के सबसे अमीर व्यक्ति थे।

अपनी सम्पत्ति भी आधी ही बची है क्योंकि उन्होंने 61 अरब डॉलर गंवा दिए हैं। हिंडनबर्ग रिसर्च के बाद निवेशकों ने अपना समर्थन वापस ले लिया है। इस अमेरिकन रिसर्च कंपनी ने उन्होंने कॉरपोरेट इतिहास की सबसे बड़ी धोखाधड़ी का साजिश रचने वाला बताया। अडानी समूह ने इस रिपोर्ट की निंदा की और इसे निराधार और साजिश (शेय पृष्ठ 5 पर)

भारतीय सरकार ने आक्रामक रूख अपनाया डॉक्यूमेंटरी के बारे में

भारत सरकार विशेष रूप से आहत महसूस कर रही है, ब्रिटेन सरकार के इस रूख से कि, बी.बी.सी. अपना "कंटेंट" निर्धारित करने के बारे में पूर्णतया स्वतंत्र है

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 4 फरवरी। भारत सरकार इंग्लैंड के खिलाफ अब जवाबी अभियान शुरू करेगी क्योंकि इंग्लैंड ने बी.बी.सी. डॉक्यूमेंटरी के टेलीकास्ट पर रोक लगाने के मामले में हस्तक्षेप करने से इंकार कर दिया है। ज्ञातव्य है कि इस डॉक्यूमेंटरी में 2002 के गुजरात दंगों, जो नरेन्द्र मोदी के मुख्यमंत्रित्व काल में उनकी देखरेख में हुये थे, को लेकर प्रधानमंत्री मोदी को बहुत खराब रूप में प्रोब्लैट किया गया है। भारत में दो हिस्सों में बनी इस डॉक्यूमेंटरी के टेलीकास्ट पर पहले ही प्रतिबंध लगा चुका है। ब्रिटेन सरकार ने अपनी स्थिति को स्पष्ट करते हुए कहा है कि "बी.बी.सी. अपने इस उत्पाद (आउटपुट) के मामले में स्वतंत्र है।" भारत ने इस स्थिति पर जवाबी हमला करने का निर्णय लिया है। वह इंग्लैंड पर आरोप लगायेगा कि वह खालिस्तानी तत्वों तथा कश्मीर के लिये लड़ रहे पाकिस्तान-समर्थित तत्वों के समर्थकों को आश्रय दे रहा है। ये संदेश आज लंदन में भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा

सलाहकार अजित डोवाल, ब्रिटेन के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार टिम बैरो के साथ हो रही मीटिंग में उन्हें दे दंगा। भारत और इंग्लैंड इस साल मुक्त व्यापार समझौते को औपचारिक रूप प्रदान करने की दिशा में काम कर रहे हैं। भारत सरकार

जरूरत होगी। भारत इस बात को लेकर आशांत है कि इंग्लैंड के विदेश मंत्रालय के मार्गदर्शन में, बी.बी.सी. को इस बात की अनुमति प्रदान कर दी गई कि वह, गुजरात के दंगों के प्रकरण को फिर से खोलने की कोशिश करके, साम्प्रदायिक

■ भारत सरकार ने ब्रिटेन को याद दिलाया कि, ब्रिटिश सरकार खालिस्तानी आतंकवादियों व पाकिस्तान समर्थित कश्मीरी प्रदर्शन कारियों को ब्रिटेन में पनपने का मौका देती है।

■ साथ ही भारत के आर्थिक अपराधियों, जैसे नीरव मोदी, माण्ड्या, संजय भण्डारी, को भी भारत भेजने के बारे में अडचन डालती है, हालांकि भारत व इंग्लैंड में "एक्सट्रैडिशन" संधि है।

■ भारत के एन.एस.ए. अजीत डोवाल भी लंदन में आज ये मुद्दे उठायेगे, ब्रिटिश एन.एस.ए. के समक्ष बातचीत के दौरान।

यह संदेश साफ तौर पर दे देना चाहती है कि अगर इंग्लैंड भारत के साथ व्यापार-व्यवसाय करना चाहता है तो उसे अपनी सोच में बदलाव/संशोधन करने की

आधार पर भारतवासियों का धुवीकरण करे, जबकि भारत का सर्वोच्च न्यायालय इस मामले में नरेन्द्र मोदी को (शेय पृष्ठ 5 पर)

गोवा में हैलिकॉप्टर टूरिज्म सेवा शुरू

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 4 फरवरी। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने शनिवार को गोवा में हैली-टूरिज्म सेवा शुरू कर दी। इस योजना के तहत, ओल्ड गोवा में दौजी-एला हेलीपैड बनाया गया है। पर्यटन मंत्रालय ने अपनी 'स्वदेश दर्शन स्कीम' के माध्यम से इस प्रोजेक्ट में बहुत बड़ा योगदान दिया है। गोवा पर्यटन ने इस अवसर पर एक 'कॉल सेंटर फैंसिलिटी भी शुरू की है। यहाँ कार्यरत ऑपरैटर

■ गोवा के मुख्यमंत्री ने स्वदेश दर्शन स्कीम के तहत यह सेवा शुरू की है।

क्या जयपुर भी न्यूयॉर्क की तरह अपनी चिड़ियों की हैल्थ की रक्षा के लिये निर्णय लेगा?

-अंजन राँय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 4 फरवरी। मैं होटल "जयपुर इन" के तीसरे फ्लोर की बालकनी में खड़ा था। उसके मालिक पुष्पेन्द्र भार्गव ने साँझ के आकाश में चल रही एक काली आकृति की ओर इशारा किया। उन्होंने बताया कि यह पक्षियों का झुंड है जो रात्रि विश्राम के लिये कहीं रुकने से पहले उड़ रहा है। ये सभी पक्षी "मैना" थे जो होटल के सामने स्थित पार्क के बीच मौजूद एक बड़े वृक्ष पर बैठ गए। मैंने काली आकृति को कुछ समय के लिए अलग-अलग समूहों में बंटते देखा और फिर मैं अपने कमरे में चला गया।

कुछ समय बाद मुझे लगा, कि मैं कुछ ऐसा सुन रहा था जैसे कि दूर बह रहे किसी झरने की आवाज़ हो। यह ऐसी ध्वनि थी जो शायद हवा के रूख के साथ कम ज्यादा हो रही थी। जयपुर जैसे व्यस्त शहर के बीच में एक झरना कैसे हो सकता है। मैं कमरे से बाहर आया और यह पता लगाने के लिए बालकनी

में आकर बैठ गया कि आखिर आवाज़ आ कहा से रही है। यह आवाज़ साफ तौर पर बड़े पेड़ से आ रही थी। यह बड़ी संख्या में मौजूद चिड़ियाओं का कोलाहल था जो पेड़ पर आकर बैठने के साथ ही चहचहाने लगी थी। एक तरह से यह अविश्वसनीय था। चिड़ियाओं का इतना बड़ा झुण्ड इतने बड़े शहर के बीचों-बीच अपना

■ जाने-माने पत्रकार अंजन राँय को अपने जयपुर प्रवास के दौरान बनीपार्क में शाम के बाद पक्षियों का कलरव देख कर, खुशी तो जरूर हुई, पर बनीपार्क के सेंट्रल पार्क पर लगी भारी व ऊँची निऑन लाइट्स पर प्रश्न उठाया।

अस्तित्व बनाकर कैसे रह सकता है, जहाँ उन्हें अपना रोजाना का भोजन बमुश्किल ही मिल जाएगा पर अपना दैनिक काम-काज निबटाने की उन्हें शायद ही कोई जगह मिल पाए?

जयपुर इन के मालिक भार्गव ने बनीपार्क सर्किल के एक तरफ एक बड़े खुले स्थान और उसी क्षेत्र में मौजूद अन्य खुली जगहों की ओर इशारा किया।



इंडियन मैना

मशहूर पक्षी विज्ञानी सालिम अली की भांति भार्गव भी एक सच्चे पक्षी प्रेमी बन गए थे। ये पक्षी अपने दैनिक भोजन की तलाश में प्रायः इन खुली जगहों पर उड़ते रहे। भार्गव का मानना था कि वहाँ शायद कुछ हजार पक्षी हैं। शायद उनके द्वारा की जा रही आवाज़ को देखते हुए उनकी संख्या पांच हजार हो सकती थी।

फिर रात हो गई, लेकिन पक्षियों के कलरव का स्वर उतना ही तीव्र था। मैंने आश्चर्य जताया कि हो गया रहा है, पक्षी रात्रि तक अपने समवेत स्वरों के साथ गा रहे हैं। फिर पता चला कि, बनीपार्क सर्किल के बीच में लगे विशाल लैंप पोस्ट से आ रही रोशनी शायद यह भ्रम पैदा कर रही थी कि दिन अभी ढला नहीं है।

कांग्रेस ने शराब घोटाले में केजरीवाल से इस्तीफा मांगा

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 4 फरवरी। कांग्रेस ने शनिवार को 10 करोड़ रु. के शराब-घोटाले के मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल तथा उनके द्वारा निर्दिष्ट मंत्रियों मनीष सिसोदिया तथा सत्येन्द्र जैन तुरन्त

■ 18-पार्टी के वरिष्ठ नेता अजय माकन ने कहा कि, ई.डी. की चार्जशीट में केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और सत्येन्द्र जैन का पर्दाफाश हो गया है, तीनों को इस्तीफा दे देना चाहिए।

इस्तीफा दें। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अजय माकन ने कहा कि प्रवर्तन निदेशालय की चार्जशीट में ये तीनों ही नेता बेनकाब हो गये हैं। उन्होंने कहा कि पी.एम.एल.ए. (प्रीवेंशन ऑफ मनी-लॉन्डरिंग एक्ट) (शेय पृष्ठ 5 पर)